बहुउद्देशीय शिविर लगाया महावीर इंटर.ने

माई झुं. 8 जून। राजस्थान जन चेतना सीकर एवं महावीर इंटरनेशनल झुंझुनूं के संयुक्त तत्वावधान में चूडिमियान में नि:शुल्क बहुउ्देशीय चिकित्सा शिविर में डॉ. जेपी बुगालिया, डॉ. सतीश खींचा, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. वीके गुप्ता, डॉ. अंजली गुप्ता, डॉ. लालचंद ढाका, संतोष ढाका व डॉ. बीके चावला ने रोगियों की जांच कर नि:शुल्क दवाईयां प्रदान की। शिविर में 570 रोगियों ने लाभ उठाया।

इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष पीएल शर्मा, सचिव गोविंद कुमावत, गोकुलसिंह राव, जाकिर सिद्दीकी, विनोद सौलंकी, समाजसेवी रूक्मणी भेड़ा, संपतसिंह तंवर सहित अन्यजन का सहयोग सराहनीय रहा।

अनुशासन और कर्तव्य निष्ठा के साथ व्यवस्थित कार्य निष्पादन हो - टी. रविकान्त

झुंझुनू, एक जुलाई: नवागत जिला कलेक्टर टी. रविकान्त ने मंगलवार को पूर्वाह्न यहां जिला स्तरीय अधिकारियों की प्रथम परिचयात्मक बैठक ली। इस अवसर पर उन्होंने व्यवस्थित कार्यालय, समयबद्ध कार्य निष्पादन तथा अधिकारियों और कर्मचारियों में अनुशासन, कर्तव्य निष्ठा एवं सेवा भाव की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

जिला कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि वे समय पर कार्यालयों में आएं तथा रोजमर्रा के कार्य निष्पादन पर पूरी नजर रखें। उन्होंने अधीनस्थ कार्मिकों पर समुचित नियंत्रण बनाये रखने, कार्यालयों में साफ-सफाई व सभी व्यवस्थाओं को चुस्त एवं दुरूस्त रखने, विलम्ब से आने वाले कार्मिकों के विरूद्ध कार्रवाई करने तथा कार्यालयों में समस्या आदि लेकर आने वाले लोगों के साथ उचित व्यवहार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले लोगों को तत्काल राहत दी जा सकती हो तो देवें अन्यथा उन्हें वस्तु स्थिति स्पष्ट बतादें ताकि लोगों को एक ही काम के लिए बार-बार चक्कर नहीं लगाना पड़े।

जिला कलेक्टर ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन में विशेष सक्रियता बरतने, प्रत्येक कागज पर हस्ताक्षर करने से पूर्व उसे भली प्रकार पढ़ लेने, सरकारी काम-काज में टाल-मटोल की प्रवृति त्यागने तथा चालू विकास कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करने की हिदायतें भी दी। उन्होंने कहा कि जिन विभागों का गांवों तक नेटवर्क है उनमें इकाइयों के बीच संवाद की स्थिति और कार्य के प्रति सक्रियता नियमित बनी रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे विभागीय कार्यों और अपने अधीनस्थ कार्यालयों का समय-समय पर निरीक्षण करते रहें ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था की शिकायत सुनने को नहीं मिले।

पूर्व पालिकाध्यक्ष रमेश टीबड़ा एवं अन्य भाजपा नेताओं का अभिनन्दन

माई झु. 6 जून। पूर्व पालिकाध्यक्ष रमेशकुमार टीबड़ा, भाजपा लि महामंत्री विश्वम्भर पूनिया, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा आदि भाजपा नेताओं का अभिनन्दन भीखन शहीद जोहड़ का जीर्णोद्वार कार्य शुरू करने के लिए पंचायत मोहल्ला चेजारान की ओर से शुक्रवार को किया गया।

अभिनन्दन के पश्चात अपने उद्बोधन में पूर्व पालिकाअध्यक्ष रमेश टीबड़ा ने पीपली चौक में हैंडपम्प लगवाने तथा चेजारा कब्रिस्तान में सोडियम लाइटे लगाये जाने की घोषणा की तथा नगर विकास में अपने योगदान को आगे भी देते रहने का वायदा किया।

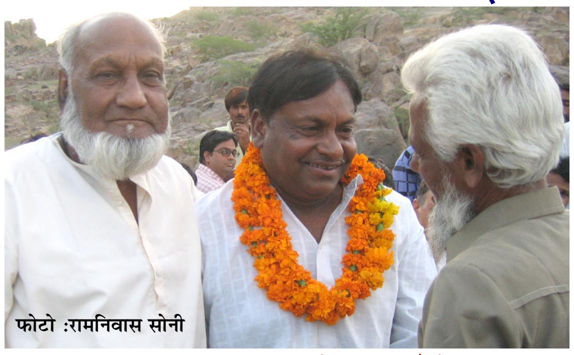

फोटो :रामनिवास सोनी

अभिनन्दन समारोह का संचालन युवा मंच सोसायटी के अध्यक्ष संजय मोरवाल ने किया। इस अवसर पर पार्षद मोहम्मद सलीम, कासम तैली सहित अन्यजन उपस्थित थे।

शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति की बैठक

माई झु. 8 जून। शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति की बैठक रविवार को शहीद स्मारक में सम्पन्न हुई। बैठक में शेखावाटी में बड़ी रेल लाइन बिछाने का काम शुरू करने, क्षेत्र में रेलवे स्टेशनों पर कैंटीन, पब्लिक टेलीफोन व एटीएम मशीन की सुविधा, नियमित साफ सफाई, ट्रेनों की स्पीट बढ़ाने, चिड़ावा रेलवे स्टेशन पर कम्प्यूटर आरक्षण केंद्र शुरू करने आदि मांगों के लिए विचार विमर्श कर भावी आन्दोलन की रणनीति तय हुई। बैठक में समिति के प्रदीप अग्रवाल ने रेलयात्रिों की बिंदूवार समस्याएं प्रस्तुत की। रेल विकास संघर्ष समिति के संरक्षक व पूर्व पालिका उपाध्यक्ष पवन पुजारी ने कहा कि शेखवाटी में बड़ी रेल लाइन बिछाने का काम शुरू किया जाना चाहिए ताकि इलाके के लोगों को हो रही परेशानी से मुक्ति मिल सके। बैठक में कामरेड फूलचंद ढेवा, जिला पर्यावरण सुधार समिति के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष संपत कुमार चुड़ेलेवाला, सुबेदार मालाराम बराला, मो. यासीन छीपा सहित अन्यजन उपस्थित थे।

भगवान महाकालेश्वर की नगरी है उज्जैन

माई झुं. न्यूज। उज्जैन भारत का प्रसिद्ध और प्राचीन नगर है। यह क्षिप्रा नदी के सुरम्य तट के बायीं ओर बसा है। विक्रम संवत के प्रवर्तक राजा विक्रमादित्य की राजधानी उज्जैन को उज्जयिनी, अवंतिका, कुल स्थली, कनकश्रृंगा, प्रतिकल्पा, विशाला, अमरावती, पद्मावती, चूणामणि, कुमुदवती आदि अनेकों नाम से पुकारा जाता है। उज्जैन का इतिहास गौरवमय और प्राचीन है। यहां पर खुदाई में तीन हजार वर्ष पुराने अवशेष मिले हैं। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि यह कितना प्राचीन नगर है। उज्जैन में स्थित भगवान महाकालेश्वर के लिंग की गणना भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में की जाती है। दक्षिणमुखी शिवलिंग होने के कारण यह तंत्र साधना के लिए विशेष महत्व रखता है। उज्जैन में स्थित भगवान महाकालेश्वर का कलात्मक विशाल शिवलिंग है। यह शिवलिंग स्वयंभू माना जाता है। ज्योतिर्लिंग के कक्ष में ज्योतिर्लिंगों के अलावा गणेश, कार्तिकेय और माता पार्वती की श्वेत मूर्तियां हैं। मुख्य मंदिर तीन खण्डों में निर्मित है। सबसे नीचे के खण्ड में महाकालेश्वर आसीन हैं। उसके ऊपर के खण्ड में ओंकारेश्वर शिव का मंदिर है तथा तीसरे खण्ड में नागचन्द्रेश्वर हैं। जिनके पट श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु वर्ष में सिर्फ एक बार नागपंचमी के दिन खोले जाते हैं। हाकालेश्वर मंदिर के पास ही गणेश जी की विशाल मूर्ति है। यह मूर्ति आधुनिक होते हुए भी आकर्षक और सुंदर है। मंदिर के बीच में पंचमुखी हनुमान जी की सप्त धातु से बनी मूर्ति है। मंदिर में अनेक देवी-देवताओं की मूर्तियां विद्यमान हैं। उज्जैन नगर से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर क्षिप्रा नदी के किनारे भैरवगढ़ बस्ती है। यहां पर एक टीले पर काल भैरव का मंदिर है। भैरवाष्टमी को यहां विशाल मेला लगता है। भैरवगढ़ नाम इन्हीं भैरव के कारण पड़ा। काल भैरव की मूर्ति भव्य और विशाल है। इस मंदिर को राजा भद्रसेन ने बनवाया था। उज्जैन रेलवे स्टेशन से लगभग आठ किलोमीटर दूर कालिया देह महल है। १६वीं शताब्दी में मालवा के सुलतान नासिरूद्दीन खिलजी ने सूर्य नारायण के मंदिर को तुडवाकर उसके स्थान पर पठानी ढंग का यह महल बनवाया था। यहां सूर्यकुण्ड और ब्रह्मकुण्ड को तुडवाकर छोटे-छोटे ५२ कुण्ड बनवाये थे। जब अकबर बादशाह इस स्थान पर आया था उसी समय मुगलिया ढंग का एक दालान बनवाया गया था। वर्षों तक इस सुंदर महल और रमणीय स्थल की ओर किसी का ध्यान नहीं गया और यह स्थल उज़डने लगा था बाद में सिंधिया परिवार ने इस महल का जीर्णोद्धार करवाया। उज्जैन नगर भारतीय ज्योतिष का भी मुख्य केन्द्र रहा है। हजारों वर्ष पहले राजा जयसिंह ने यहां एक यंत्र महल बनवाया था जिसे वैधशाला और जंतर मंतर कहा जाता है। उज्जैन में संदीपनी आश्रम, श्री मंगलनाथ मंदिर, चिंतामन गणेश मंदिर, संतोषी माता मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं। उज्जैन मालवा के बीच में स्थित होने के कारण देश का नाभिस्थल कहलाता है। उज्जैन नगर पश्चिम रेलवे का प्रमुख स्टेशन है। यहां से भोपाल, रतलाम, इंदौर, नागदा आदि स्टेशनों को जाने वाली गाड़ियां मिलती हैं। उज्जैन सड़क मार्ग से भी जुडा हुआ है। बस या अपने निजी वाहन से यहां सुगमता से पहुंचा जा सकता है। यहां यात्रियों के ठहरने के लिए सैंकड़ों होटल, लॉज और धर्मशालाएं हैं। मध्य प्रदेश राज्य परिवहन द्वारा बाहर से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए उज्जैन दर्शन की प्रतिदिन व्यवस्था की गई है।

डॉ. गौतम मुखर्जी ने युवाओं को धूम्रपान एवं नशीली आदतों से मुक्त करने का आह्वान किया

झुंझुनू, ३१ मई: जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. गौतम मुखर्जी ने बच्चों और युवाओं को धूम्रपान एवं नशे की आदतों से मुक्त करने का आह्वान किया तथा इस कार्य में शिक्षकों की अहम् भूमिका को रेखांकित किया। वे शनिवार को सुबह यहां जय पब्लिक स्कूल प्रांगण में प्रशिक्षण ले रहे राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों को धूम्रपान निषैध दिवस कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम राजस्थान कैंसर फाउण्डेशन की जिला शाखा तथा ई.टी.वी. राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कैंसर रोग के कारणों पर प्रकाश डालते हुए आधुनिक परिवेश में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक आदतों से बचने, दैनिक जीवन में आवश्यकताओं को सीमित रखने तथा कृत्रिमता से दूर रहकर स्वाभाविक जीवन जीने की सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डाइट के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश जांगिड़ ने धूम्रपान एवं नशे की प्रवृतियों के विरूद्ध सामाजिक स्तर पर जाग्रति लाने तथा कानूनी प्रावधानों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। समाज नेटवर्क के जिला संयोजक निरंजन सिंह ने शिक्षकों से कहा कि वे नैतिक बल और नैतिक शिक्षा के जरिये समाज में धूम्रपान व नशीली प्रवृतियों के विरूद्ध एक सशक्त वातावरण का निर्माण करें।

न्यू राज. स्कूल की छात्रा का एआईपीएमटी में चयन

माई झु. न्यूज। आल इंडिया पीएमटी (एआईपीएमटी) परीक्षा में न्यू राजस्थान पब्लिक उच्च माध्यमिक स्कूल की छात्रा पारस चौधरी ने 909 वीं रैंक प्राप्त कर परिवार एवं स्कूल को गौरवान्वित किया है। संस्था स्कूल की अध्यक्षा विनोद ढूकिया ने छात्रा को तिलक लगाकर सम्मानित करते हुए बधाई के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं प्रदान की। संस्थान के प्रबंध निदेशक इंजी. प्यारेलाल ढूकिया ने भी छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ बधाई दी। इस अवसर पर उप प्राचार्य प्रो. राकेश राव, राकेश झाझड़िया, अनिल नेहरा सहित अन्य जन उपस्थित थे।

आषाढ मास के पर्व-महावीर प्रसाद शर्मा

आषाढ शुक्ला द्वितीया को उड़ीसा के जगन्नाथपुरी में भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा गुण्डिचा यात्रा कहलाती है। इसी गुण्डिचा मंदिर में विश्वकर्मा जी ने भगवान जगन्नाथ जी बलभद्रजी तथा सुभद्राजी की चंदन प्रतिमाएं बनायी थी। महाराज इन्द्रद्युम्न ने इन्हीं मूर्तियों को गुण्डिचा मंदिर में प्रतिष्ठित किया था। अत: गुण्डिचा मंदिर को ब्रह्मलोक या जनकपुरी भी कहते हैं। गुण्डिचा मंदिर में यात्रा के समय भगवान जगन्नाथजी विराजमान होते है। इसी दिन राधाकृष्ण और श्रीराम सीता जी भी रथ यात्रा पर निकालते है।

इस समय के महोत्सव को गुण्डिचा महोत्सव कहते है। पुरी में वैशाख शुक्ला तीज जो अक्षय तृतीय कहलाती है, को रोहिणी नक्षत्र में पवित्र भाव से वहां के राजा संकल्पकर आचार्य का वरण करके बढई से श्रीकृष्ण, बलभद्र एवं सुभद्राजी के लिये तीन रथ तैयार करवाते हैं जिससे सुन्दर सुखासन एवं अन्य उपकरण होते हैं फिर शास्त्रोक्त विधि से रथों में देवों को प्रतिष्ठित करते हैं। फिर भगवान जगन्नाथ की विजय यात्रा के शुभारम्भ में राजा अन्य भक्त जनों के साथ स्वयं रथों को खींचते हैं। मार्ग साफ सुथरा एवं चन्दन चर्चित सुवासित होता है। इस महोत्सव से प्रेरणा लेकर हम गृहस्थजनों को घर पर ये लघुरूपेण छोटे-छोटे शकटों में भगवान को घुमाना चाहिए इससे गृहस्थों को वर्ष भर सुखैश्वर्य प्राप्त होता रहता है।

चातुर्मास्य व्रत तथा पालनीय नियम- भगवान विष्णु के क्षीर सागर में शयन करने पर चार्तुमास्य में जो कोई नियम पालित होता है वह अनन्त फल देता है जो मानव भगवान वासुदेव के उद्देश्य से केवल शाकाहार करके वर्षा के चार माह व्यतीत करता है। वह धनाढ्य एवं समृद्ध होता है जो भगवान के शयनकाल में प्रतिदिन नक्षत्रों के दर्शन करके ही एकबार भोजन करता है वह रूपवान धनवान एवं सम्माननीय होता है तभी तो महिलाएं कार्तिक में ताराभोजन के नाम से अभिहित एक माह का व्रत करती है। जो हाथ में फल लेकर भगवान विष्णु की प्रतिदिन एक सौ आठ परिक्रमा करता है वह शुभफलों को प्राप्त करता है। यदि चार महीनों तक नियमादि पालन न कर सके तो मात्र कार्तिक में ही सब नियमों का यथाशक्ति पालन करने से भी पूरा फल मिल जाता है। चातुर्मास्य में पड़ने वाले श्रावण में शाक, भाद्रपद में दही, आश्विन में दूध एवं कार्तिक में द्विदल धान्य चना मूंग उडद आदि तो सभी को छोड़ देने चाहिए।

गुरु पूर्णिमा - आषाढी पूर्णिमा गुरु पूर्णिमा होती है। इसी आषाढी पूर्णिमा को ही पराशरजी मुनि की कृपा से वेद व्यास जी का अवतरण भारत वसुन्धरा पर हुआ था। व्यासजी गुरुओं के भी गुरु है। यह गुरु पूजा विश्व विख्यात है। इसी क्रम में वेद व्यास के जन्म से ही आषाढ शुक्ला पूर्णिमा का नाम व्यास पूर्णिमा पड़ा है। यह परमात्मा के ध्यान और प्रीति की तरफ ले जाने वाली पूर्णिमा है। व्यासजी ने वेदों के विभाग शाखा प्रशाखाएं की। उन्हें शिष्यों में प्रस्तारित की ब्रह्म सूत्र बनाएं। भक्ति ग्रंथ भागवत पुराण भी व्यास की प्रौढ रचना है एवं अन्य सत्रह पुराणों का प्रणयन भी किया है। विश्व में जितने भी धर्मगंथ है एवं उनमें कोई सात्विक और कल्याण कारी बाते हैं वे सीधे अवसीधे भगवान वेदव्यास जी के शास्त्रों से ही ली गई है। इसीलिये व्यासोच्छिष्टं जगत सर्वम् कहा गया है। ऐसे कल्याणकारी महान मानव धर्म के उपदेशक में हम गुरु पुर्णिमा के द्वारा श्रद्धा एवं आस्था व्यक्त करते है। इस प्रकार गुरु गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का और तय व्रत साधना में आगे बढ़ने का यह पर्व है गुरू पूर्णिमा।

पंडित महावीर प्रसाद पारीक,
शास्त्री एम ए, संस्कृत, बीदासर- बिसाऊ
मोबाईल- 9460513758

रिलायंस के खुदरा व्यवसाय पांच लाख रोजगार सृजित करेंगे

माई झुं. न्यूज। संगठित खुदरा कारोबार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए महत्वपूर्ण विकास मंच करार देते हुए देश के सबसे महत्वपूर्ण फर्म के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने आज कहा कि उसका खुदरा कारोबार अगले पांच साल में पांच लाख से अधिक लोगों को रोजगार मुहैया कराएगा।

अंबानी ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक में कहा- हमारा अनुमान है कि अगले पांच साल में हमारा खुदरा व्यवसाय प्रत्यक्ष तौर पर पांच लाख से अधिक लोगों को रोजगार देगा और अप्रत्यक्ष रूप से इससे कझ्र गुना अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। पिछले वित्तावर्ष के दौरान रिलायंस ने उत्पाद बाजार फार्मेट पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए अपनी खुदरा पहल को आयोजित किया था। इससे आगे कंपनी निष्पादन आधारित कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना के रास्ते प्रतिभाओं को बरकरार रखेगी।

कंपनी अधिक सक्रिय और उद्योग उन्मुख कार्यक्रमों के निर्माण में मदद के लिए शिक्षण संस्थानों के साथ भी कार्य कर रही है। इन साल में रिलायंस ने अपने विकास संभावना को बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ साझेदारी की पहल की है। कंपनी का आझ्र स्टोर परिचालन के लिए ब्रिटेन के मार्क्स एंड स्पेंसर, यूरोपीय कंपनी पियरले, अमेरिका स्थित एप्पल इंक, आफिस उत्पादों और सेवाओं के लिए आफिस डिपो तथा खुदरा रियल एस्टेट विकास के लिए वोरनाडो के साथ गठजोड़ है।

रामायण पाठ सम्पन्न हुआ

माई झु. 4 जून। बावलिया बाबा मंदिर में बुधवार को पं. कन्हैयालाल भादूपोता के आचार्यत्व में पं. पुजारी, ओमप्रकाश शर्मा, रामगोपाल डोलिया, सुभाष शर्मा आदि पंडितों के सानिध्य में रामाचण पाठ शुरु किये गये जिसका समापन शुक्रवार को हुआ।

कार्यों में व्यस्त रहते हुए ध्यान को अन्तराल पर एकाग्र करो

माई झु. न्यूज। यह ध्यान कि छठी(6) विधि है। अर्थात सांसारिक कामों में लगे हुए, अवधान को दो श्वासों के बीच टिकाओ। मैं पहले भी बता चुका हूं कि तुम इस की अवस्था में होते हो जहां भी होते हो वहीं ध्यान घटित हो सकता है। घटना घट सकती है जो लोग व्यस्त रहते है उनके लिए यह विधि अत्यन्त उपयोगी है।

श्वासों को भूल जाओ और उनके बीच में अवधान को लगाओ। एक श्वास भीतर आती है। इसके पहले कि वह लौट जाए, उसे बाहर छोड़ा जाए, वहां एक अन्तराल होता है। सूत्र कहता है कि सांसारिक कामों में लगे हुए, अवधान को दो श्वासों के बीच टिकाओ इस अभ्यास से थोडे ही दिनों में नया जन्म होगा।

लेकिन इसको लगातार करना है यह छठी विधि निरन्तर करने की है। इसलिए इसे सांसारिक कामों में लगे हुए जो भी कर रहे हो, उसमें अवधान को दो श्वासों के अन्तराल में स्थिर रखो। लेकिन काम काज में लगे हुए ही इसे करना है। इस विधि को अलग होकर नहीं करना, यह तभी करना जब तुम सांसारिक कामों में लगे हुए हो। यह विधि भोजन करते हुए भोजन करते जाओ और अन्तराल पर अवधान रखो। चलते समय करो, तुम सोने जा रहे हो लेटों और नींद को आने दो लेकिन तुम्हें अन्तर पर सजग रहना है। जब तुम ये विधि पकड़ जाओंगे तो तुम ध्यान को रोक नहीं पाओंगे। और तुम्हारे लिए ध्यान करना अत्यन्त सरल हो जायेगा। यदि इस विधि का अभ्यास हो गया तो पूरा जीवन एक नाटक जैसा लगेगा। तुम जीवन की घटनाओं के प्रति साक्षी हो जाओगे। फिर जिन्दगी का हर पल तुम्हे नाटक की तरह लगेगा। इसी अवस्था को भगवान श्री कृष्ण ने निष्कर्मी कहा है। वो कहते है कि मैं करते हुए भी नहीं करता हूं मैं कर्म बन्धन से मुक्त हूं। अगर आप कार्यों में लगे हुए इस विधि का प्रयोग करते हो तो तुम्हारा प्रत्येक कार्य एक साधन हो जायेगा। तुम किसी कार्य से ऊबोंगे नहीं और कार्यों से तुम्हे थकान भी नहीं होगी। यह छठी विधि, हमें एक खेल बना देती है। जीवन एक अभिनय, एक खेल जैसा लगने लगता है। यदि इस छठी विधि की साधना करोंगे तो तुम्हारा जीवन ऐसा हो जाएगा जैसे वह तुमको न घटित होकर किसी दूसरे व्यक्ति को घटित हो रहा है।

आचार्य हरिसिंह रोहिल्ला-योग
प्रा.चिकित्सा
अग्रसेन भवन झुंझुनूं मो. 09828486899

आत्म विश्वास

दृढ़ इच्छा शक्ति ही आत्मविश्वास का पूरक भाव है। यह आन्तरिक शक्तियों के जागरण का मूलमंत्र है। जीवन की दृढ पतवार है। इसके बल पर अपनी परिस्थितियों और समस्याओं का हल आसानी से ढूंढा जा सकता है। इसमें दृढता, सुनिश्चिता एवं संकल्पशक्ति निहित है। यह मानव का बल है जो संसार में बड़े कार्य सुक्षम साधनों के द्वारा भी सफलता पूर्वक सम्पन्न करा सकता है। महापुररूषों ने कहा कि अपने उपर विश्वास करो आप सभी का हदय शक्ति से भर जाएगा। मानसिक विकार चिंता, भय, नशा, व्यसन, व्यभिचार, आलस्य, क्रोध, असंयम, आशंका, कायरता और निराशा आदि व्यवहार छोड़कर स्वाभिमान के साथ ध्येय पथ पर बढ़ते रहे जैसा कि उन्होंने आत्म विश्वास के बाल पर देश ही आजादी का स्वप्न साकार किया था।

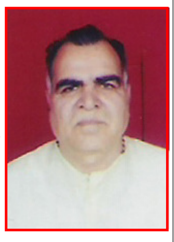

नन्दलाल तुलस्यान मुम्बई प्रवासी

"क्या हम आने वाले 50 साल वैसे ही गुज़ारना चाहते हैं जैसे पिछले पचास साल गुज़रे थे?"कुछ करने की भी कीमत चुकानी पड़ती है और कुछ न करने की भी चुकानी पड़ती है।फैसला आपका है।"अगर हम समाधान का हिस्सा नहीं है तो हम ही समस्या हैं।" शिव खेडा

गंगा दशहरा पर लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई

माई झुं.१३ जून। पूरे देश में देव नगरी के नाम से विख्यात हरिद्वार नगरी में आज गंगा दशहरा के अवसर पर जहां एक तरफ देश के विभिन्न हिस्सों से आए लाखों लोगों में अपार श्रद्धा थी वहीं दूसरी तरफ करीब १५ किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग पर जबरदस्त सड़क जाम और वाहनों की पार्किंग में बेहद दिक्कत के चलते श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। हरिद्वार में आज हर की पैड़ी और आसपास के घाटों पर पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा की तेज धार के बावजूद डुबकी लगाझ्र और मंदिरों में पूजा अर्चना की तथा अपने-अपने गुरुओं के आश्रमों में अन्न और धन का दान भी दिया। हर की पैड़ी पर बेहद ठंडे पानी के बावजूद महिलाओं और पुरुषों के साथ-साथ बच्चे भी पूरे जोश के साथ गंगा में कझ्र-कझ्र बार डुबकी लगा रहे थे। हर की पैड़ी से लेकर वीआझ्रपी घाट तक गंगा के किनारे बनी सीढ़ियों पर लाखों लोगों ने गंगा स्नान किया। गंगा के किनारे आज चारों तरफ विशाल मेला जैसा लगा था।